Dainik Bhaskar (Indore), 19th April 2022, Page-03

IIT इंदौर को 16वां पेटेंट, ये कम ऊर्जा वाले इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों के लिए डिजाइन

भास्कर संवाददाता | इंदौर

आईआईटी इंदौर को 'ऑफसेट कॉम्पेंसेटेड डाटा सेंसिंग टेक्निक फॉर लौ एनर्जी एम्बेडेड SRAM' के लिए पेटेंट मिला। यह आविष्कार आईआईटी इंदौर के प्रोफेसर डॉ. भूपेंद्र सिंह रेनीवाल और प्रो संतोष कुमार विश्वकर्मा ने किया है। आईआईटी इंदौर का यह 16वां पेटेंट है। गौरतलब है कि भारत सरकार के पेटेंट ऑफिस द्वारा अब तक 85 पेटेंट जारी हो चुके हैं, जिसमें से 16 पेटेंट आईआईटी इंदौर के पास हैं। हाल ही में मिला यह पेटेंट कम ऊर्जा वाले इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों के लिए डिजाइन किया गया है।

यह तकनीक भविष्य में चिप को तेजी से प्रोसेसर ऑन-चिप मेमोरी से डेटा को पढ़ने में सक्षम बनाएगी। यह न्यूरोमॉर्फिक कंप्यूटिंग चिप्स, कम-ऊर्जा वाले शरीर पर पहने जाने वाले इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों, स्मार्टफोन आदि में डेटा प्रोसेसिंग के लिए सटीकता और गति देने के साथ ऊर्जा की बचत करने में भी मदद करेगी।

प्रोफेसर रेनीवाल व विश्वकर्मा ने किया इसका आविष्कार

डॉ. भूपेंद्र सिंह रेनीवाल ने एसजीएसआईटीएस-इंदौर से स्नातक और पीएचडी आईआईटी इंदौर से प्राप्त की। उनके पास यूएसटी ग्लोबल बैंगलोर, इंटेल कॉर्पोरेशन मलेशिया और आईबीएम बैंगलोर में सीनियर प्रोडक्ट डेवलपमेंट इंजीनियर, सेमीकंडक्टर वर्टिकल के रूप में भारत और विदेश दोनों में उद्योग और अकादमिक अनुभव का मिश्रण है। उन्होंने BITS पिलानी और केके बिड़ला गोवा कैंपस में फैकल्टी के रूप में भी काम किया है। डॉ. संतोष कुमार विश्वकर्मा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग में प्रोफेसर हैं। डॉ विश्वकर्मा ने इलेक्ट्रॉनिक्स और कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी रुड़की से माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक और वीएलएसआई समूह में 2010 में पीएचडी की है।